(ग) पग बाँध घूँघरयाँ णाच्याँ री ।

लोक कहाँ मीराँ बावरी, सासु कह्याँ कुल नासी री ।

बिखरो प्याला राणा भेज्याँ, पी वा मीराँ हाँसी री ।

तण–मण वारयाँ परी चरिणामाँ, दरसण अमरति प्यासाँ री ।

मीराँ रे प्रभु गिरधर नागर, थारी सरणा आस्याँ री ।।

(घ) नाहि पराग, नाहि मधुर मधु, नाहि विकासु इहि काल ।

अलि कली ही सौं बंध्यौं, आगे कौन हवाल ?

बड़े न हूजे गुनन‍ु बिनु, बिरह बड़ाई पाई ।

कहत धतूर सौ कनक, गहनौ गढ़यौ न जाई ।।

3. तुलसीदास **अथवा** मीराबाई का साहित्यिक परिचय लिखिए । **6**

4. कबीरदास की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि सूरदास वात्सल्य वर्णन में अनूठे हैं । **8**

Roll No. .... **Exam Code : J-19**

Subject Code—0952

B. A. EXAMINATION

(First Year)

(For Batch 2018 Onwards)

HINDI

BA102

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks :* 70

नोट : प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है ।

1. (क) शुद्ध विकल्प का चुनाव कीजिए :

(1) शृंगार

(2) श्रृगार

(3) श्रंगार

(4) श्रृंगार

(ख) उचित पयार्यवाची शब्द का चुनाव कीजिए :

पानी :

(1) विपिन

(2) जलधि

(3) वारि

(4) सर

(ग) विलोम शब्द का चुनाव कीजिए :

लौकिक :

(1) भौतिक

(2) अलौकिक

(3) भौगोलिक

(4) मौलिक

(घ) वाक्य के लिए एक शब्द का चुनाव कीजिए :

दूर की बात सोचने वाला :

(1) दूरगामी

(2) दूरद्रष्टा

(3) दूरस्थ

(4) दूरभाष

(ङ) निम्न मुहावरे का अर्थ स्पष्ट कीजिए :

बगुला भगत :

(1) धूर्त व्यक्ति

(2) महान भगत

(3) शाकाहारी भक्त

(4) भोला भक्त

(च) निम्नलिखित लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए :

एक अनार सौ बीमार :

(1) अनार की बहुत माँग होना

(2) बीमार की संख्या बढ़ जाना

(3) एक वस्तु के अनेक ग्राहक होना

(4) अनार बाँट-बाँट कर खाना **6**

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6×2=12**

(क) पाहन पूजै हरि मिले, तो मैं पूजों पहार ।
तां तें ये चाकी भली, पीसि खाय संसार ।
मन मथुरा, दिल द्वारिका, काया काशी जान ।
दस द्वारे का देहरा, तांमें जोत पिछाण ।।

(ख) प्रभु हौं सब पतितिन कौं टीकौ ।
और पतित सब दिवस चारि कै, हौं तो जनमत ही कौ ।
बधिक, अजामिल, गनिका तार्‌यौ और पूतना ही कौ ।
मोहिं छाँड़ि तुम और उघारे, मिटै सूल क्यौं जी को ?
कोऊ न समरथ अध करिबे कौं, खैंच कहत हौ लीकौं ।
मरियत लाज सूर पतितिन में, मोहूँ तै को नीकौ ।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6×2=12**

(क) आवाज ऐसी कठोर थी कि हृदय और मस्तिष्क की सम्पूर्ण शक्तियाँ, सम्पूर्ण विचार, और सम्पूर्ण भार उसी ओर आकर्षित हो गए थे । नदी में करार का कोई वृहद खण्ड टूटकर गिरता है तो आस-पास का जल समूह चारों ओर से उसी स्थान को पूरा करने के लिए दौड़ता है ।

अथवा

(ख) मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है; सब जल तरल; सब पवन शीतल है । कोई विशेष आकांक्षा हृदय में अग्नि के समान प्रज्ज्वलित नहीं है, सब मिलाकर मेरे लिए एक शून्य है । प्रिय नाविक ! तुम स्वदेश लौट जाओ विभवों का सुख भोगने के लिए और मुझे छोड़ दो इन निरीह, भोले-भाले प्राणियों के दु:ख की सहानुभूति और सेवा के लिए ।

(ग) विक्रम, अशोक, अकबर के यह भूमि साथ नहीं गई । औरंगजेब अलाउदीन इसे मुठ्ठी में दबाकर न रख सके । महमूद, तैमूर और नादिर इसे लूट के माल के साथ ऊँटों और हाथियों पर लादकर

न ले जा सके । आगे भी यह किसी के साथ नही जावेगी, चाहे कोई कितनी ही मजबूती क्यों न करे । इस समय भगवान ने इसे एक और ही जाति के हाथ में अर्पण किया है, जिसकी बुद्धि, विद्या और प्रताप का डंका संसार भर में बज रहा है ।

अथवा

(घ) निदां की ऐसी ही महिमा है । दो-चार निंदकों को एक जगह बैठकर निंदा में निमग्न देखिए और तुलना कीजिए दो-चार ईश्वर भक्तों से जो रामधुन लगा रहे हैं । निदंकों की सी एकाग्रता, परस्पर आत्मीयता, निमग्नता भक्तों में भी दुर्लभ है । इसलिए सन्तों ने निंदकों को 'आँगन कुटी छवाय" पास रखने की सलाह दी है ।

6. जयशंकर प्रसाद **अथवा** बालकृष्ण भट्ट का साहित्यिक परिचय लिखिए । **6**

7. 'करवा का व्रत' कहानी में पुरुष के वर्चस्व एवं नारी के समर्पण और विद्रोह का चित्रण हुआ है । स्पष्ट कीजिए । **8**

अथवा

'आत्म-निर्भरता' निबंध में किन समस्याओं को उभारा गया है ? स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3×4=12**

(क) मोहन राकेश की कहानियों में वर्णित यथार्थ-बोध का परिचय दीजिए ।

(ख) मालती जोशी की कहानियाँ परिवेश का सही चित्र प्रस्तुत करती हैं । स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'सरस्वती' के संपादक के रूप में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबन्धों ने हिन्दी को नई दिशा दी' ।स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'नयनों की गंगा' में भारतीय परम्परा का सुन्दर निर्वाह हुआ है । स्पष्ट कीजिए ।